1	2	3	4	5
लाल मिर्च	—10.9	—42.5	—5.4	+7.9
चीनी	+1.7	+10.1	—0.8	+5.7
गुड़	+23.5	+48.0	+15.2	+23.5
नमक	+0.4	+13.4	—0.4	+12.7
आटा	—3.2	+5.9	+3.9	—2.9
मिट्टी का तेल	स्थिर	स्थिर	स्थिर	स्थिर
वनस्पति	+13.6	+0.1	+7.6	+3.9
जिंजली का तेल	+28.3	+14.1	+2.8	+6.6
सरसों का तेल	+29.2	-9.9	+23.1	—1.7
नारियल का तेल	+5.2	—23.8	+3.7	—4.3
मूंगफली का तेल	+33.9	+9.5	+13.8	+15.4
वाय	+15.3	+32.9	+16.2	+18.3
सूती कपड़ा (मिल का)	+0.3	+7.1	—0.3	+1.2
नहाने का साबुन	+2.5	+0.7	+2.5	स्थिर
दियासलाइयां	स्थिर	+0.1	स्थिर	स्थिर

खाद्य तेलों की पूर्ति और उत्पादन

592. **सरदार जगजीत सिंह अरोड़ा:**
श्री राम जेठमलानी:

क्या **खाद्य और नागरिक पूर्ति** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या यह सच है कि वर्ष 1989-90 के दौरान देश में खाद्य तेलों की पूर्ति तथा खपत में भारी अंतर होने की संभावना है; यदि हां, तो इस वर्ष के लिए सरकार द्वारा इस मद की मांग और पूर्ति की कितनी मात्रा आंकी गई है;

(ख) क्या सरकार ने खाद्य तेल का आयात करके मांग और पूर्ति के बीच अंतर को पूरा करने का निर्णय किया है; और

(ग) यदि हां, तो क्या सरकार ने खाद्य तेल के स्थान पर खाद्य तिलहनों का आयात करने की सम्भावनाओं पर विचार किया है, यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं?

खाद्य और नागरिक पूर्ति मंत्रालय में राज्य मंत्री(श्री राम पूजन पटेल): (क) जी, हां। तेल वर्ष 1989-90 के दौरान खाद्य तेलों की मांग और आपूर्ति क्रमशः 57.72 लाख मी० टन तथा 47.81 लाख मी० टन आंकलित की गई है।

(ख) अंतर को पूरा करने के लिए खाद्य तेल का आयात, इस प्रयोजन के लिए उपलब्ध विदेशी मुद्रा के अनुसार किया जाएगा।

(ग) अंतर्राष्ट्रीय बाजार में खाद्य तेलों के मूल्यों और देश में उपभोक्ताओं की पसन्द को ध्यान में रखते हुए इस समय परिष्कृत विरजित और निगंधीकृत पामोलीन का आयात किया जा रहा है। इस तेल का संसाधन तेल भेजने वाले देश में ही करना अपेक्षित होता है। अतः फिलहाल तिलहनों का आयात करने का कोई प्रस्ताव नहीं है।

भारतीय खाद्य निगम को राज सहायता

593. **सरदार जगजीत सिंह अरोड़ा:**
श्री राम जेठमलानी:

क्या **खाद्य और नागरिक पूर्ति** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या यह सच है कि भारतीय खाद्य निगम